RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

# पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 6 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 13 जुलाई 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

## बोना गाँव से दुनिया की छत तक : लवराज सिंह धर्मशक्तू

मदकोट/दिल्ली। सीमान्त के बोना गाँव निवासी 8 बार एवरेस्ट विजेता पद्मश्री लवराज सिंह धर्मशक्तू ने अपील की है कि हिमालय की सुरक्षा के लिए इसे कचरे से बचाएं। हिमालय की तरह शान्त और पक्के इरादे वाले लवराज अपने अभियान में बराबर कचरे व प्रदूषण की चिन्ता करते हुए सभी से इस प्रकार की अपील करते रहे हैं। 1998, 2006, 2009, 2012, 2013, 2017, 2018 के बाद 2026 में आठवीं बार एवरेस्ट विजेता श्री लवराज कहते हैं- 'पहाड़ ने हमें जीना सिखाया, एवरेस्ट ने दुनिया को पहचानना'।

## मौसम बरसात का : संभल कर करें पहाड़ की यात्रा

बरसात के इस मौसम में सूखे नालों और धारों में पानी का बेग दिखाई दे रहा है। मौसम किस समय किस प्रकार की रुख करेगा इसे देखते हुए पहाड़ की यात्रा में सावधानी जरूरी है। पर्वतीय मार्गों पर भूस्खलन का खतरा देखते हुए चौकस व्यवस्था की गई है लेकिन बचाव के लिये मौसम की जानकारी लेकर ही आगे बढ़ना उचित है।

## चल रहे हालातों पर सभी अलर्ट रहें : श्रीराम धर्मशक्तू

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने वर्तमान हालातों पर चिन्ता जताते हुए सभी से अलर्ट रहने की अपील की है। उनका कहना है कि हमारे देश में किस प्रकार से बाहरी मुल्क के लोग क्या-क्या साजिश रस रहे हैं चाहे वह पाकिस्तान हो चाहे बांग्लादेश हो चाहे चीन हो उसके अतिरिक्त अन्य देश जो भारतवर्ष को बर्बाद करना चाहते हैं। श्री धर्मशक्तू ने सभी से कहा है कि अलर्ट रहते हुए किसी भी व्यक्ति के ऊपर विश्वास ना करें। गहराई से इस चीज को अपने दिमाग में रखते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। जानना चाहिये कि कितनी एजेंसी जो हमारे देश में कार्य कर रहे हैं निष्पक्ष भाव से कितने लोग कर रहे हैं देश की एकता अखण्डता को बनाए रखने के लिए सच्चे दिल से लगन से ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। बाहर से जो लोग आपके गाँव में शहरों में मन्दिरों, गिरजाघर, मस्जिदों, धर्मशाला में निवास कर रहे हैं उन व्यक्तियों के ऊपर विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है। देश के एकता अखण्डता भाईचारा प्रेम भाव और देश की आन बान शान हमेशा हमेशा बनी रहे और सब लोग सुरक्षित रहें। भारतीय नागरिक के नाते से हमें कार्य करना है। जब भी कहीं पर सामाजिक कार्यों पर और अन्य शुभ अवसरों पर बैठते हैं तो अवश्य देश हित में चर्चा अवश्य करनी चाहिए।

## हिमालय की सुरक्षा के लिए इसे कचरे से बचाएं

### -पद्मश्री लवराज सिंह धर्मशक्तू

फोटो- लवराज सिंह धर्मशक्तू

**लोक कथाएं हमारी पूर्वगामी पीढ़ियों की आपबीतियों का ही कथात्मक विवरण होती हैं। संसार में हर पल, हर घड़ी कुछ न कुछ घटित होता रहता है और इसी क्रम में कभी कभी कुछ ऐसा घटित होता है, जिसकी छाप गहरी होने के कारण मिटने का नाम नहीं लेती। आज की लोककथा 'अन्त भले को, भला'। -सम्पादक**

चन्दन कई वर्षों बाद फौज से घर लौट रहा था। उन दिनों मोटर गाड़ियाँ नहीं चलती थीं। अत: अपना सामान अपने ही कन्धे पर लाद कर वह काठगोदाम से अल्मोड़ा जाने के लिये पैदल चला। एक तो पहाड़ की खड़ी चढ़ाई उस पर कन्धे पर मन भर का बोझ। वह दिन भर चल कर शाम तक नैनीताल के पास बीरभट्टी के पास ही पहुँच पाया। बीरभट्टी के पास उन दिनों चारों ओर घने जंगल थे। शेर चीते दिन में ही खुले रूप से विचरण करते थे। ज्यों ही रात गहराने लगी, उसने किसी सुरक्षित स्थान पर रात बिताने का विचार किया। यद्यपि वह लड़ाई में सुदूर देशों में भी भाग ले चुका था तथा बीहड़ जंगलों में उसने भूखे प्यासे कई दिन गुजारे थे परन्तु आज उसे कुछ घबराहट सी होने लगी थी। जंगली जानवरों का डर तो था ही, भूतप्रेत का डर उसे कंपा देता। वह सोने की कोशिश करता पर नहीं आती ही नहीं थी। इतने में उसे वहाँ कुछ दूरी पर एक स्थान से प्रकाश की किरणें दिखाई दीं। उसने गौर से देखा। झुरमुट के पास कोई फूस की छत का मकान दिखाई दिया। डूबते को तिनके का सहारा होता है। उसके कदम खुद-ब-खुद उस ओर बढ़ गये। वहाँ पर वास्तव में एक मकान था, जहाँ कुछ लोग रहते थे। उसने अपना परिचय देते हुये उनसे वहाँ रात ठहरने की इजाजत माँगी। उन्होंने सहर्ष इजाजत ही नहीं दी बल्कि अन्य प्रकार से भी उसकी सहायता की।

चन्दन थका तो था ही और अब उसके मन में कोई डर भी नहीं रह गया था। अत: नींद भी तुरन्त आ गई। सुबह उसकी नींद जल्दी ही खुल गई। उसने आगे की यात्रा के लिये अपना सामान समेटा। वह जाने को तैयार ही था कि उसे एक मर्मान्तक डूडाट (रम्भाने) की आवाज सुनाई दी, उसने तुरन्त उस ओर देखा, जहाँ से आवाज आ रही थी। उसने जो देखा था, उस पर यकीन भी नहीं हो रहा था। जिनके घर पर रात को वह ठहरा था वह कसाई थे, जो किसी धर्म से जुड़े हुए नहीं थे। पहाड़ों से गाय, बैल, भैंसे यह कह कर खरीद कर लाते कि इन्हें पालेंगे। पहाड़ में उनकी हत्या कर नहीं सकते थे, इसीलिये वीरभट्टी के जंगल में कसाईखाना खोला गया था। यहाँ से आगे पहाड़ का थोड़ा क्षेत्र और है तथा यहाँ पर पशु हत्या का प्रतिरोध करने वाला कोई नहीं था। जानवरों की खालें उतार कर वे लोग बरेली, कानपुर इत्यादि शहरों में भेज देते थे। चन्दन ने देखा कि पेड़ की एक तिरछी टहनी जो 5-6 फुट ऊँचाई पर थी, के सहारे रस्सियों की सहायता से एक सुन्दर गाय के चारों पैर बाँध कर उसे उल्टा लटकाया गया था। जिन्दा ही उसकी खाल उतारने की तैयारी हो रही थी, एक आध छुरा मार भी चुके थे। चन्दन से रहा नहीं गया। फौजी होने के नाते उसने भी कई लड़ाईयों में दुश्मन के आदमियों को मौत के घाट उतारा था परन्तु गौहत्या की घटना उसे बर्दाश्त नहीं हुई। उसने आनन फानन में अपनी खुखरी निकाली और

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

# पर्यटक होने और बेहूदे होने का फर्क समझना चाहिये

**उत्तराखण्ड में पर्यटन को बढ़ावा देने के नाम पर खूब प्रचार-प्रसार के साथ जिस प्रकार की छूट दे दी गई है, उससे चारों ओर आये दिन घपलत देखी जा रही है। असल में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही यह स्पष्ट होना चाहिये कि आने वाले मेहमानों को किस रूट से आना है, कितने समय को आना है, किन नियमों का पालन करना है, मेजवानी के लिये तैयार लोगों को भी उनका ध्यान रखना चाहिये, किसी प्रकार की आपात स्थिति में मसले को सुलझाने की त्वरित कार्रवाई होनी भी जरूरी है। लेकिन देखने में आ रहा है कभी पर्यटकों का आपस में तो कभी स्थानीय लोगों के साथ उलझना, झगड़ना, रौबबाजी, गुटबाजी जैसा कारनामा हो रहा है।**

**धार्मिक पर्यटन के अलावा प्राकृतिक सौन्दर्य के कारण लोग उत्तराखण्ड आना चाहते हैं और मय परिवार के श्रद्धालु और सभ्य लोगों का आगमन होता है परन्तु हाल-फिलहाल उन लोगों का रुख इस ओर हुआ है जो जीवन जगत को मौज-मस्ती के अलावा कुछ नहीं मानते हैं। इसी का परिणाम है कि वह अपनी मौज-मस्ती की आग में दूसरों को जलाना चाहते हैं। देहरादून, मसूरी, चमोली, कर्णप्रयाग, नैनीताल, मुनस्यारी, धारचूला, अल्मोड़ा तमाम जगहों पर इस प्रकार के कारनामे देखने को मिले हैं। राह चलते झगड़ना, किसी से बात-बहस में आपा खो देना, किसी प्रतिष्ठान या होटल-ढाबे में लेन-देन को लेकर मारपीट पर उतारू हो जाना जैसी घटनाएं हुई हैं। इस प्रकार की घटनाएं सभ्य लोगों के बीच नहीं हो सकती। जाहिर सी बात है कि बेहुदापन इतना ज्यादा हो चुका है कि घर के नालायक युवा अपने वाहनों पर देवभूमि में आने लगे हैं और अपनी मौज में चूर होकर उच्छृंखलता करने लगे हैं।**

**बहुत सीधी-सपाट बात है जब हम कहीं बाहर जाते हैं तो काफी संभलकर कदम रखना होता है। इसी प्रकार अपने आगन्तुकों के स्वागत के लिये दूसरे पक्ष को भी नरम होना जरूरी है। उपज रहे झगड़ों में साफ दिखाई दिया है कि आने वाले अपने पागलपन में भटके हुए थे और अपने रौब में भरे कतिपय स्थानीय दादाओं की अकड़ भी कम नहीं थी। इस प्रकार दोनों ओर से संयमित रहने की जरूरत है। शासन-प्रशासन ने स्थितियों को संभालने के लिये कुशल प्रबन्ध करने ही चाहिये ताकि पर्यटन के नाम पर बेहुदापन न फैल सके।**

## देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

### अकालतख्त का सरकार को दिशा निर्देश

चण्डीगढ़। अकला तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह बेअदबी कानून पर अकाल तख्त की आपत्तियों का एक महीने के भीतर समाधान करे। अमृतसर में अकाल तख्त में तलब किए गए पंजाब के सभी सिख विधायकों और कैबिनेट मंत्रियों की बैठक के दौरान यह यह दिशा निर्देश दिया गया।

### असम में सरकारी नौकरी के नाम पर ठगी

गुवाहाटी। असम पुलिस ने सरकारी नौकरी का झांसा देकर लोगों से कथित तौर पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक गिरोह का भण्डाफोड़ करते हुए उसके सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया है कि गिरोह जल संसाधन विभाग के नाम की फर्जी मोहरों और झूठी भर्ती सूचनाओं का इस्तेमाल कर जाली नियुक्ति पत्र जारी करता था।

### भाषा नीति के लिये जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप त्रिभाषा नीति को लागू करने के लिये शैक्षणिक सत्र 2026-27 से दिशा-निर्देश जारी किये हैं। कहा है कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 10 के छात्रों पर नयी व्यवस्था लागू नहीं होगी और वह पहले की तरह केवल दो भाषाओं के साथ अपनी बोर्ड परीक्षा देंगे। कक्षा 9 से अब तीन भाषाएं पढ़नी होंगी।

### दिमाग के सिग्नलों से टाइप हो जाएगा

वाशिंगटन। अब बगैर सर्जरी दिमाग के सिग्नलों की मददसे सन्देश टाइप हो जाएगा। इस तकनीक से किसी भी व्यक्ति के विचारों को आसानी से पढ़ा जा सकेगा। टेक दिग्गज मेटा ने एआई सिस्टम ब्रेन2 क्वर्टी वी 2 तैयार किया है। यह इन्सानी दिमाग की गतिविधियां सीधे लिखित शब्दों में बदल सकता है। इस पूरी प्रक्रिया के लिए किसी भी तरह की सर्जरी की जरूरत नहीं होगी। मेटा के अनुसार यह नया सिस्टम उन लोगों के लिये वरदान होगा जो दिमाग की चोट, लकवा व अन्य गम्भीर बीमारियों के कारण सम्वाद नहीं कर पाते हैं।

## फसक

# दाज्यू, कुड़बुद्धि खचरबचर करने ही वाली ठैरी

## माननीयों की फौज में आम जनता वैसे ही दुबला जाती है बल

दाज्यू, जुलाई का महीना दौड़ादौड़ का है। ऊपर से भैरु की तैयारी पूरे मोहल्ले को आफत में डाल चुकी है। कह रहा है- 'चुनाव में निर्दलीय खड़ा होकर मोहल्ले को चकमक कर दुंगा।' दाज्यू, पता नहीं आगे क्या जो होने वाला है। माननीयों की फौज में आम जनता वैसे ही दुबला जाती है बल। मोहल्ले का चैन लूटने को भैरु अकेला ही काफी है। मोनू भी परेशान हो चुका है क्योंकि जब से बिजली गई है वह गोकुल नगर में जाकर खाना खाने लगा है और झुनझुनवाला घिसड्डी कर रहा है। कह रहा है- 'बहुत अरमान थे इस बार लेकिन सरकार ने पानी फेर दिया। अब उसी जगह काम करना पड़ रहा है जहाँ उल्टी-दस्त हुए थे।'

दाज्यू, कुड़बुद्धि खचरबचर करने ही वाली ठैरी। सारा सामान ऑनलाइन उपलब्ध है और चटोरा कुलवन्त मीठी सुपारी अलग से देने वाला हुआ। उधर कन्हैया अपने ट्रान्सफर के बाद से सूख चुका है। कह रहा था- 'लालू प्रसाद और मुलायम के नाम से लड्डू भोग लगाया था लेकिन गोलज्यू की धरती पर सुनवाई नहीं हुई।' दाज्यू, पहाड़ में लबलू और विकेश बहुत खुश हैं। कह रहे हैं- 'खून पतला करने वाली दवाई लेने की जरूरत नहीं है। उनके पड़ोस में बहार आ चुकी है। मोहन ने भी अत्तर छोड़ दी है। अब दुनिया को पर्यावरण का सन्देश देंगे।' दाज्यू, हम तो डर के मारे वैसे ही दुबला रहे हैं। अयोध्या के राम मन्दिर में चन्दे के पैसे इधर-उधर होने की सूचना के बाद से नहाने-धोने का भी मन नहीं है। चारों ओर कुड़बुद्धियों की खचरबचर..। दन्या में पिता की हत्या में बेटी-दामाद जेल चले हैं। गाँव सेली में दामाद बन चुका हांसी, हरियाणा का धर्मवीर शर्मा को कटरा, जम्मू से गिरफ्तार किया गया। ईमेल से उत्तराखण्ड के सभी थानों को उड़ाने की धमकी देने वाले हरियाणा के जसप्रीत ने पुलिस की गिरफ्त मे आकर बताया- 'कर्णप्रयाग की घटना से वह गुस्से में था और उत्तराखण्ड में डर का माहौल बनाना चाहता था।'

किच्छा में लालपुर निवासी मोहम्मद तकी के साथ जमीन सौदे के नाम पर एक करोड़ की धोखाधड़ी हो गई बल। ग्राम बरा में जमीन का सौदा हुआ था। अब पुलिस के दरबार में पूरा मामला जा चुका है। दाज्यू, किच्छा से घूमते हुए हम जसपुर पहुँच गये थे, वहाँ केबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा नगर पालिका में निरीक्षण करते दिखाई दिये। उन्होंने अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई को कहा। निरीक्षण में मदिरापान जैसी प्रतिबन्धित सामग्रियां भी मिली बल। दाज्यू, किसकी बुद्धि में क्या बैठा है कैसे कहें लेकिन कुड़बुद्धि तो साफ दिखाई देती है। अब देखो, विधायक हरीश धामी ने असली धामी और नकली धामी की बात करके हुल्लड़ कर दिया है। सीएम धामी को सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री कहने के बाद से तो उनपर पलटबार हो रहा है। दाज्यू, ये असल-नकल का चक्कर हमारी समझ में नहीं आ रहा है। इतना जरूर पता है कि राजनीति में घुसने वालों की बुद्धि भयंकर हो जाने वाली ठैरी। दोनों ओर से मुंहबम चल रहे हैं। जिसके खाप जो आया वही दाग देने वाले ठैरे। इस बार वैसे भी घमाघम ज्यादा ही होने वाली है। रुद्रपुर में बेहड़, ठुकराल, अरविन्द पाण्डे, राजेश शुक्ला, नारायण पाल सब जोरदार मूड में हैं बल। डीडीहाट विधानसभा में तो कितने की कौतियार तैयार हो चुके हैं। कालाढूंगी में भी गजब हो रहा है। कोटद्वार, हरिद्वार, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग पूछो मत इस बार.....। इसके अलावा चरस का असर तो अपनी जगह है। बागेश्वर में स्विफ्ट कार में चरस तस्करी कर रहे तीन युवा पुलिस ने दबोच लिये हैं। लैंसडौन विधायक रावत ने स्वरोजगार दिवस कार्यक्रम में वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली का उदाहरण देते हुए कह दिया- 'क्रान्ति कभी बुद्धिजीवी नहीं करते।' दाज्यू, और ही और होने लगी है अब तो।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

# ग्रेटर हल्द्वानी के रूप में विकसित हो गौलापार

हल्द्वानी। शहर के विकास में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और व्यापारिक समुदाय के सुझाव जानने के उद्देश्य से आयोजित यंग विजनेस मीट विद मेयर कार्यक्रम में महापौर गजराज सिंह बिष्ट ने युवा व्यापारियों से सीधा सम्वाद किया। कार्यक्रम में नपगर विकास, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा हुई।

युवा उद्यमियों ने गौलापार को ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर ग्रेटर हल्द्वानी के रूप में विकसित करने का सुझाव देते हुए कहा कि शहर के सुनियोजित विस्तार पर जोर दिया। महापौर गजराज बिष्ट ने कहा कि किसी भी शहर का विकास तभी सम्भव है जब उसमें युवाओं की सोच और सहभागिता शामिल हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिये लगातार कार्य कर रही है। इसका लाभ स्थानीय युवाओं तक पहुँचाने के लिये नगर निगम भी हर सम्भव प्रयास कर रहा है। उन्होंने व्यापारियों से नगर नियोजन, सड़क और यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, पार्किंग, बाजारों के आधुनिकीकरण तथा लघु उद्योगों के विकास को लेकर सुझाव साझा करने का आग्रह किया। बैठक में मौजूद युवा व्यापारियों और नव मतदाताओं ने रोजगार सृजन के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने, कौशल एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापारिक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा युवाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने जैसे कई सुझाव दिए।

# उत्तराखण्ड में चारों ओर कांग्रेस की सभाओं से जोश

## भाजपा संगठन ले रहा है हर तरह की टोह

## यूकेडी की हलचल 5 सीटों पर दबदबा

उत्तराखण्ड में कांग्रेस की ओर से चारों ओर की जा रही सभाओं ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा है और संगठन में भी सख्ती की है ताकि कोई नेता एकतरफा बात न कर सके। पार्टी के परिवर्तन संकल्प सम्मेलन में गणेश गोदियाल, हरक सिंह रावत, यशपाल आर्या, करन महरा के नेतृत्व में लगातार आयोजन हो रहे हैं। पहली बार पार्टी द्वारा अपने संगठन का इस प्रकार से चार्ज किया है जिसमें चुनाव की रणनीति पर स्थितियां साफ होती जा रही हैं। इस सम्मेलनों में टिकट दावेदारों की ताकत का आंकलन भी होने लगा है। दूसरी ओर भाजपा संगठन हर तरह की टोह ले रहा है और विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे किसी भी तरह के आरोप का जवाब दे रहा है।

प्रदेश की राजनीति में बलवान बनी भाजपा और जोश में दिख रही कांग्रेस के बीच यूकेडी की हलचल बराबर है। दल का 5 सीटों पर दबदबा भी दिखने लगा है। चुनाव के आते-आते कौन किस करवट बैठेगा सारी स्थितियां तो तभी स्पष्ट होंगी। कई मामले भी तक तब तक उघड़ सकते हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

## बोलिक छाप जोहरि बोलि-भाषा

# दिल्लीक निजामुद्दीन रेलवे स्टेसनक वेटिङ रूमक फसक

**जगदीश सिंह बजवाल**

रास्ते राजस्थान बी 'दुरन्दो एक्सपरेस' मा बसिबेर छे-सारि- छे घान्ट मा दिल्ली निजामुद्दीन रेलवे इस्टेसन मा ब्यालक तीन-सारि तीन बजे पुजि तो आब कार मा बसिबेर पिथौरगर ले जान छी। अगिल (पिछला बीते दिन) दिऽने गैरिवाल् थे फसक कयूं छी, वल के- दाऽ.. ब्याल चार-पाँच बजे में इस्टेसन ओंल, तिमथे ल्हीनी, मैलत सौचे फसक ठारि छी। की पत, इदी झूठ, ध्वांकबाज गैरिक डरैबरन हनन के। मैलत इस्टेसन पुजीबेर गैरिवाल थे फोन मिलै- 'हला भाई कां छे ला ते, कब ओले रेलवे इस्टेसन मैंहे ल्हिनी, वल के- दाऽ .. मैं सात बजे टैमबन तिमिथे ल्हिन ओंल, तिमि तापरि ये-द्दी घांट वैटिं रूम मा बसिया।

अहो! 'यस छ् फसक, येक पैलित इदि धांत ऐ की खुटानबी औन्ही। मनन सौचि 'आनन्द बिहार' जैबर पहार जानिक बस मा दे चलि द्-यूं के।'' पर भैरत गरमल बैहाल छी। गरमल मरि जौंल केबर फिरि मन मनै। मनल के- 'कार मा भल भे भाई न.. मनथे मारिबेर चार घान्टाक रूम मा बसनक टिकट ल्हील।

दिल्लीक निजामुद्दीन रेलवे इस्टेसनक गेट नम्बर एकक काख थे परैभैट ए.सी. काम्र छी। सीट खरदन भे। तब कौनटर मा जेबर पुछी- 'बैठने का चार्ज क्या है?' वल के- 'बीस रूपये घण्टे प्रति व्यक्ति' योकले महै ठीकै दे लैगि, टिकट लिबर भीतर न्हैग्यूं आबन सीट मां बसि। झ्वाल-झिम्ट मलि अलमेरि मा रेखिबरे भीतरे तौप के दुकान ले छी, तीस रूपैक एक कौफि मैग्यल। सीट मा ऐबर चनके, मनी सास्ती पे अराम दे में।

भीतर कला पे बरिया ठंडु छी, भैर चेला आगुक भूबौर... औन्यू भे...किसमतल मोबाइलक चार्ज घरे भुलिगेछि, यां क्वहै दे मांगछी, गैरिवाल् थे फोन कनाक चिजै चार्ज बचौ रैखि। स्वीच औफ के..वसे बसी रे। वरितरोप-परितरोप मैस ओने जाने कनियां छी। घत्तासार भे। तबे येक बतौर म्यर ध्यान, डिमाग में ऐगे,...काख थे बसियूं परिवार दक्षिण भारतके दे लागनि छी।- तमिल, मलयालम, कन्नड् दकसिनके दे लागनि। जू बोलि-भासा बोलौनियां छी, उ के समजे मा नी ऐं, बस, खाली कान लगे रेखि, वरितरोप थ्वार देर मा येक पनजैबिन परिवार जमाह् दस-बारझनि, नान-ठूल झ्यानतांग-म्यानतांग दकार चिचियौट- भिभियौट हुलिकलियाटःकनि वाल बसिगे। आबन बोलि-भाषा बोलौनियां छी. कदि गरव ऐफि कनियां छी। जदी घान्ट बसि उनरे फसक ध्यान रे।

जब येक पैलि गुजरेति परिवार ऐबर बसि। कुल फाफड़ा-फाफड़ा कनिया छी, तब अताज दे रहे लगे इनि जरूर गुजरातक होल। बंगैलिकनक रूप रङले पछैनिछ योत बंगैलि होल। कि कंछा पै कयी बोलि बौलोनेर मैस, भांत-कुभांतक ऐ बेर बसि, औनै-जाने रे,सब आबन बोलिभासा बोलेबर खुसि छी।

उदी भीतर बसिबेर महै क्वे 'कुमाऊँ गरवैलि' बोलि बलौनेर मैस मिलि 'जोहैरिक बौलोनेरक' की बात कनू, उनीत द्वाङ्चू दे संख्या वाल मैसन छ्। क्वे पहैरि मैस ले हने जबत तो उनीथे आबन बोलि बलौनमा सरम दे लाग्न् जू उनर गलत सोच छ्.... लो धे ए आबन बोलि, संस्कृति आबन पछियान छ्' उ बोलौनेरक दे गर्व हैमि कब कौंल?

आज भी पल्ली जू साटि-सत्तरक पीरील गलत काम के नौकरी लैगि-लुगि देस तरोप गे, आबन नय बच्चन थे आबन बोलि भासा, संस्कृति भी दूर रैखि, केबै भलके आबन गों घरक मुख दे नी दिखे, उ नानतिन की सीखन्छी। जू औनिक नानतिन जरुर 'घान-घालुल' हा....कस हामर आम्-बाबू छी। जब उनि यस्से दुसरक समाज संस्कृति दिखुल, जसे वैटिं रूममा मै दिखन्। छिलाऽऽ.....

बभौ ने के! बसन-बसन म्यर ऐलाद ऐगे, करीब सात बजनिक वाल छी, मोबाइलक स्वीच औन के हेलो- हाला भाई कांछे ते? वल के- बस, ओने रूं, की बतौर दाऽ जाम् लैगिरे। ऐक घान्ट लागुल। मैल के- अछिया! तेलत गजबे के दिल्हे, की ऐजि टैम ब्रशें पै? गैरिवालाल के- जस कंछा दाऽ. मैल ढेर घान्ट ऐजि टैम बरे दी। आब पूरे सारिसात घान्ठ, सारि आठ बजिगे। अद्द घांट भैर आंयू हेग, रातक नौ बजि गे। धो महै ल्हिनी ऐ। धंधों-धंधों आजत मरनमौत हेग। बार बजे तक दिल्ली बने घुमे-घुमे पधे रास्ते टनकपुर फिरि पिथौरागर दोहरदिन मुनस्येरि। जां 'स्वर्ग जस जाग छ' सबे कुछ मलिवलाक दियूं बनावटी के नैछ्।

जू फसक बात मन मा रे। 'ए. सी. वेटिङ रूम मा दुन्नी भरि काल्-बिकालाक बोली भासा बोलोनेर मैस थे दिखि। मऽन मां ठेस दे लैगि। छिलाऽऽ के... हैमि और हाभर मैतरि-बौब कदि बरिया के आबनःजोहारि बोलि भासा बोलौंछी, ऐजल सीप छ, ...औनि वाल पीरीक नानतिनक हाल तो भौत खराब छ कै। उनिथे आबन बोलि-भासाक ए.बी.सी.डी. ले जानन। बस, 'वेटिङ कमार मा जब नना नानतिन थे दिखि.....कस, 'ठना...ठन' आबन बोलि-भासा बलौनियां छी हक्क रेग्यूं। उनर मातरि बौब थे भोत धन्यवाद द्-युंछ ज्वल आबन नानतिन थे, आबन संस्कृति संसकार दिने रे। काश! वैसे जोहारि ले हंछी? कदी रसियूल हन। कबे- कबे हिन्दी बौलौन न सोबौन. हैमिथे आबन संस्कृति बौलि भासा दिखिबेर कदी गर्व हन..... पर कसके?

## ज्योतिष की बातें 289

16 अगस्त 2026 को गुरु कर्क राशि में पश्चिम दिशा में अस्त हो जाएगा अतः अगले 26 दिन राशि के अनुसार गुरु से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल अब जातकों को प्राप्त नहीं होंगे। साथ ही अगले 25 दिन तक गृहप्रवेश आदि शुभकार्य तथा विवाह आदि संस्कार भी स्थगित रहेंगे।

16 जुलाई 2025 को सूर्य मिथुन राशि से निकलकर मित्रराशि कर्क में प्रवेश करेंगे इस समय सूर्य पर कोई शुभाशुभ दृष्टि नहीं है अपितु गुरु से युति रहेगी। अतः इस समय सूर्य अत्यन्त बली रहेगा। फलदीपिका के अनुसार चन्द्रमा से 3, 6, 10 व 11 वां स्थान सूर्य के लिए शुभ होता है। सूर्य मुख्य रूप से आत्मबल, शक्ति, स्फूर्ति, आरोग्य, सफलता, सम्मान, धनलाभ, निर्भयता, इच्छाशक्ति, पिता, यश, कीर्ति, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, प्रशासन क्षमता पदोन्नति, आदि का कारक होता है। इन्हीं विषयों में सूर्य का शुभाशुभ फल प्राप्त होता है। अतः अगला एक माह वृषभ, कुम्भ, तुला व कन्या राशि के जातकों के लिए अत्यन्त शुभ होगा। शेष राशि वाले व्यक्तियों के लिए सामान्य फल रहेगा।

यह नितान्त स्थूलफल है, सूक्ष्म फलादेश व्यक्ति की जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

**-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

## सम्यक् विचार 273

### चोर-सिपाही भाई-भाई

पुलिस यदि ठान ले तो शहर में एक भी चोरी नहीं हो सकती, यह सच्चाई है। यदि कोई चोरी करेगा भी, तो पहली बार में ही पकड़ा जाएगा और सजा भी हो जाएगी। जब चोर को लगातार चोरी करनी होती है, अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना होता है तो उसे पुलिस को हफ्ता देना पड़ता है। बड़े पैमाने पर चोरी करनी हो तो पूरे पुलिस प्रशासन को साधना पड़ता है फिर भी पकड़े जाने का डर रहता है। यदि कोई चोर किसी स्थानीय नेता को साध ले तब तो धड़ल्ले से बिना किसी भय के चोरी करता रह सकता है, फिर भी कुछ न कुछ भय रहता है। यदि कोई चोर सत्तापक्ष के किसी बड़े नेता को साध ले तो वर्षों तक बिना किसी रोक-टोक के निर्भय होकर जमकर चोरियां कर सकता है। लेकिन जब कोई चोर दशाब्दियों तक गेंग बनाकर बहुत बड़े पैमाने पर चोरियां करता रहे, पकड़ा न जाए और रंगे हाथों पकड़े जाने पर भी कुछ न हो तो समझ लेना कि सत्ता के शीर्ष पुरुष का उसको आशीर्वाद प्राप्त है। सत्ता परिवर्तन के बाद ही सम्भावना बनती है कि चोर से माल वसूल हो और उसको सजा मिले लेकिन कुछ चोर तो इतने महान होते हैं की वे अगली सरकार को भी साध लेते हैं। ऐसी स्थिति में कुछ भी नहीं हो सकता। समय की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। ऐसे में आम जनता को ही सतर्क और समझदार बनने की आवश्यकता है। इस तरह की सच्चाई एक चोर के लिए नहीं बल्कि किसी भी प्रकार के अपराधी के लिए लागू होती है।

**-ओंकार नाथ कोष्टा**

## आपके पत्र

पिघलता हिमालय नवीन अंक बेहद जानकारी पूर्ण एवं पठनीय बनाया है आपने। सम्पादकीय में आपने अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं विचारणीय मुद्दा उठाया है। उत्तराखण्ड बेहद ईमानदार कर्मठ एवं पढ़े लिखे युवाशक्ति से आच्छादित होने के बावजूद डाक तायर विभाग हो या अन्य विभाग में बाह्य प्रदेशों से युवाओं की अस्थाई नियुक्तियां उत्तराखण्ड के युवाओं के साथ सरासर नाइंसाफी है। हाँ इन पदों का स्थाई होने पर लिखित परीक्षाओं से चयन हो। बावजूद इसके बाह्य प्रदेशों के युवाओं का अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं अन्य असामाजिक कृत्यों में शामिल होना ज्यादा असहज करता है। ऐसी बाह्य नियुद्रियों का पुरजोर विरोध होना चाहिए। उत्तराखण्ड सरकार को भी इसका विरोध करना चाहिए।

फुटपाथ पर चलना मौलिक अधिकार. ...पर भी आपने बहुत सटीक टिप्पणी की है। समझ में नहीं आता है कि हमारे देश में नियम कानूनों के बावजूद प्रशासन उनका सख्ती से पालन क्यों नहीं कर पाता है? सरकार भी इसका पालन नहीं करवा पा रही है। नियम कानून का पालन बिना किसी भेदभाव के सख्ती से किया जाना शासन प्रशासन की संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

सयानों/बुजुर्गो से बातचीत स्तम्भ बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे स्थाई स्तम्भ के माध्यम से उनके अनुभवों का लाभ पूरे समाज को मिलता है। जोहारी बोली भाषा में आलेख देकर आपने हमारी लोक भाषा बोलियों के संवर्धन पर बल देने का स्तुत्य प्रयास किया है। कैंची धाम के जाम से दुखी हैं लोग... समाचार विश्लेषण देकर आपने इस अति सम्वेदनशील ज्वलन्त समसामयिक मुद्दे को उठाया है। निश्चित ही यह प्रकरण इतना जटिल नहीं जितना यह बनाया जा रहा है। श्रद्धालुओं , निजी एवं व्यावसायिक वाहन संचालकों, मन्दिर समिति और यातायात व्यवस्था संचालकों के लिए स्पष्ट कारगर गाइड लाइन बनाए जाएं। कठोरता से पालन किया और करवाया जाए। श्रद्धालुओं के वाहन मन्दिर परिसर से एक किलोमीटर दूर किनारे खड़े करवा जाएं। बाह्य यात्री वाहनों की आवाजाही के लिए सड़क खुली रहे। श्रद्धालुओं को फुटपाथ का इस्तेमाल करवाया जाए। दर्शनों के बाद परिसर में एवं सड़क पर अनावश्यक भीड़ भाड़ पर सख्ती से रोक लगाई जाए। यथासम्भव वन वे बाईपास का इस्तेमाल करवाया जाए। चौराहों एवं तिराहों पर हर हाल में जाम की स्थिति से निबटने के सख्त प्रयास हों।

स्मृति शेष स्तंभ में इस बार रमेशचन्द्र शर्मा संगीत के स्वनामधन्य साधक को याद किया। ऐसी परम्परा बनी रहनी चाहिए। उत्तराखण्ड में उपद्रवी घटनाओं के पीछे का सच... भी एक आवश्यक ज्वलन्त मुद्दे पर कलम चलाई है आपने। ऐसे उपद्रवी तत्वों पर बिना किसी भेदभाव के कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। जिससे अनेकता में एकता वाले विश्व को 'बसुधैव कुटुंबकम्' का सन्देश देने वाले भारत जैसे विशाल देश में हमेशा सामाजिक सद्भाव बना रहे।फसक जैसे व्यंग्य स्तम्भ के साथ कविता को भी स्थान दे रहे हैं। समसामयिक घटनाचक्र की जानकारी के साथ साथ भाषा साहित्य के साथ लोक भाषा बोलियों को दे रहे हैं। लघु कलेवर वाले अखबार में इतनी सारी विशद सामग्री देकर गागर में सागर भरने का जो काम किया है। वह हम पाठकों के प्रति उपकार आपकी सदाशयता ही कही जाएगी। एतदर्थ आपको और आपकी समस्त टीम को हार्दिक साधुवाद एवं मंगलमय शुभकामनाएं।

**-रतनसिंह किरमोलिया**

# चुनाव से पहले तीखे बोलों के साथ उलझने लगे हैं नेतागण

## हरीश धामी और हरक सिंह गरजने लगे

विधानसभा चुनाव 2027 के लिये जुट चुकी पार्टियों के आयोजनों में नेताओं के बयान लगातार चर्चा में हैं। चुनाव से पहले तीखे बोलों के साथ उलझते नेताओं द्वारा जिस प्रकार से मोर्चा खोला गया है वह भड़ास आने वाले दिनों में और ज्यादा दिखाई देगी। कांग्रेस की ओर विधायक हरीश धामी और हरक सिंह रावत जबर्दस्त गरजने लगे हैं। हरक सिंह रावत अपने तीखे बोलों और अपनी अदाओं से पहली से भी चर्चा में रहे हैं। इस बीच उन्होंने कहा- 'एक समय भाजपा नेताओं को रोटी तक नहीं मिलती थी। उनके घर में तक बड़े नेता आकर पड़े रहते थे।' इसी प्रकार हरीश धामी ने सीएम पर सीधा निशाना साधते हुए असली धामी नकली धामी का आलाप किया है। इसके अलावा भी बड़े नेताओं के बयानों की जिस प्रकार बौछार हो रही है वह सीधा संकेत है कि जनता के सामने अपनी बात रखने और माहौल को साधने लिये अभी बहुत कुछ उगला जाएगा। ऐसे में यह मान लेना कि विधानसभा चुनाव 2027 एकतरफा होंगे गलत है। चुनाव मैदान में उतरने वाले सभी नेता अपनी बात रखने के लिये यह यत्न करेंगे। जैसा कि पार्टी टिकट मिलने से पहले ही होने लगा है।

### अन्न और मन

अन्न और मन धागे के दो छोर,
दोनों छोरों को बांध रही एक डोर।
जैसा खाओगे अन्न, वैसा होगा मन,
यही है रीत पुरानी,
दादी-नानी की कहानी ।
किसान की मेहनत और
प्रकृति का साथ,
सब मिलकर काम है करते,
तब मिलती पौष्टिक अन्न की सौगात।

**-रेनू कपूर**
गाजियाबाद

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

## तबादले, ऊपर से समीक्षा भी

उत्तराखण्ड में तबादलों को लेकर अजब गजब देखने को मिल रहा है। उच्चशिक्षा में बड़ी संख्या में तबादल हुए, इसके बाद प्रत्यावेदन का दौर चल पड़ा। क्या सही है क्या गलत, इस पर चर्चा होने लगी है। इसी प्रकार सरकारी डाक्टरों के तबादले के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि इनकी समीक्षा होगी। जो तबादले नियम विरुद्ध हुए हैं उनमें सुधार के निर्देश दिए गए। आने वाले चुनाव से पहले तबादलों का यह खेल बड़ा सवाल है। आखिर सीधी सी रेखा क्यों नहीं खींच दी जाती है कि इन नियमों में ऐसा होगा। साथ ही सम्बद्ध होकर रहने वालों का क्या होगा?

## परिक्रमा

## फचैऽक

चुलकि गैस, डीजल पेटरौल, अकर है गई कौण काथै न्हां काम धंधाक जा्ड़ अगास छन, बिरूजगार जां लै कांही जां बिरूजगार जां लै कांही जां, गुणि बानरनि करि है मुकसार लोग चौ रई डबल इंजन कैं, कुछ तो करलि हमरि सरकार पांच साल तक क्वे नजर न ऐ, दुखौल सुखौल कै थैं कौल उछव रई दाम दिन पर दिन, चुलकि गैस, डीजल पेटरौल।

गणेश पाण्डेय

# विधायक के बोल से नाराज हैं लोग

देहरादून। लैंसडौन के विधायक दिलीप रावत द्वारा एक कार्यक्रम के दौरान वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली को केन्द्र में रखकर जिस प्रकार के बोल बोले, उससे लोग बेहद नाराज हैं। दून से लेकर सभी जगह विधायक को लेकर रोष जताया जा रहा है। असल में स्वरोजगार दिवस को लेकर एक गोष्ठी में विधायक मुख्य अतिथि थे और स्वतंत्रता सेनानी वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बुद्धिमान आदमी क्रान्ति नहीं करता, विचार करता है। इसलिए गढ़वाली को बुद्धिमान नहीं कहा जा सकता।

इसके बाद से आयोजन का यह वीडियो वायरल हो रहा है और जगह-जगह उन्हें कोसा जा रहा है। विधायक के बोलों के बाद राजनीतिक पार्टियों, सामाजिक संगठनों की ओर से सवाल किये जा रहे हैं कि जनप्रतिनिधि किस तरह की सोच रखते हैं। हालांकि दिलीप रावत अपनी सफाई दे रहे हैं।

## टनकपुर में पर्यावरण मित्रों की मांगें

टनकपुर। सात सूत्रीय मांगों को लेकर पर्यावरण मित्र प्रदर्शन कर रहे हैं। देवभूमि उत्तराखण्ड सफाई कर्मचारी संघ की शाखा टनकपुर के बैनर तले पर्यावरण मित्रों ने जुलूस भी निकाला। सीएम को प्रेषित ज्ञापन में मांगें पूरी करने को कहा है। प्रदर्शन करने वालों में कमलेश बाल्मीकि, सुनील, विनोद, रितिक, सोमपाल, चित्रा देवी आदि थे।

## स्वीपिंग मशीन से होगा शहर साफ

काशीपुर। शहर की सफाई व्यवस्था के लिये अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग होगा। महापौर दीपक बाली ने नगर आयुक्त एवं पार्षदों के साथ रोड स्वीपिंग मशीन को झण्डी दिखाकर रवाना किया। लगभग 38 लाख लागत की यह मशीन पूरी तरह इलेक्ट्रिक मैकेनाइज्ड है। प्रदेश में पहली बार इस तरह का प्रयोग है।

## कुमाउंनी भाषा की टॉकिंग डिक्शनरी

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त सहयोग से कुमाउंनी का बोलता शब्दकोश विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला हुई। इसकी संयोजक प्रो.चन्द्रकला रावत ने बताया कि लगभग 1956 शब्दों की ऑडियो रिकार्डिंग कर इन शब्दों को अन्तर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक वर्णमाला के अनुसार लिप्यान्तरित कर उनका डिजिटल आर्काइव तैयार किया जायेगा ताकि आने वाली पीढ़ियों को अपनी भाषा का एक प्रामाणिक और शुद्ध उच्चारित रूप मिल सके।

## सेवा समाप्ति संस्तुति

नैनीताल। सीडीओ ने गरमपानी सीएलएफ कार्यालय के निरीक्षण पर गम्भीर अनियमितताएं देखते हुए सहा.मैनेजर की सेवा समाप्ति की संस्तुति की है।

# मानसून ने राहत के बाद की उछाड़-पछाड़

### मौसम की मार के बीच धार्मिक परम्पराओं का क्रम जारी है

### जागेश्वर श्रावणी मेले में की में जुटने लगे

### भीमताल में हरेला मेले की तैयारियां

### दारमा में विशेष पूजा के लिये जुटगें लोग

### हल्द्वानी सहित तराई के शहरों में जलभराव

### नदी-नाले उफनाने लगे, नदी क्षेत्र में अलर्ट

भीषण गर्मी से राहत देने के लिये वर्षा की फुहारों का सबने स्वागत किया लेकिन इसके बाद मानसून के गति पकड़ते ही उछाड़-पछाड़ शुरू हो चुकी है। नदियों का उफान, भूस्खलन, जलभराव से नुकसान के समाचार मिल रहे हैं। साथ ही मौसम की मार के बीच धार्मिक परम्पराओं का क्रम जारी है। यात्राओं के अलावा पर्वतीय अंचल में होने वाली विशेष पूजाओं का चलन जारी है, जिसके लिये प्रवासी भी अपने गाँवों में पहुँचे हैं। इस प्रकार के आयोजन अगस्त-माह तक तक लगातार होने हैं। इसमें सबसे खास जागेश्वर मेला है, जो अगस्त माह तक जारी रहेगा। देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में अपनी तैयारी कर रखी है। बरसात कि दिनों में भीमताल का प्रसिद्ध हरेला मेला भी उत्साह के साथ मनाया जाता है, इसको लेकर तैयारी है। दारमा घाटी में विशेष पूजा का उत्साह दिखाई दे रहा है।

मानसून की बारिश में हल्द्वानी सहित तराई के शहरों में जलभराव देखने को मिल रहा है। हल्द्वानी महानगर की नालियां और नाले बन्द होने से ओवरफ्लो होकर पानी सड़क पर भरा। इन्दिरानगर क्षेत्र में नाली का कचरा सड़क पर विखर गया। आईटीआई से रामपुर रोड और क्रियाशाला को जोड़ने वाला मार्ग निर्माणाधीन परिसर की दीवार ढहने से क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें सड़क का बड़ा हिस्सा धंस चुका है। बरेली रोड पर गौजाजाली में नहर में कचरा भरने से पानी हाईवे के साथ ही गलियों में घुस गया।

कालाढूंगी में चकलुवा के पास निहाल नाले पर निर्माणाधीन पुल का अस्थायी मार्ग मानसून की बारिश में क्षतिग्रस्त हुआ है, जिससे वाहनों की कतार लग रही हैं।

पर्वतीय क्षेत्र की सभी प्रमुख नदियां उफनाने लग हैं।, प्रशासन नदी क्षेत्र में अलर्ट करते हुए लोगों को हटाया है। बेरीनाग शहर में नालियां बन्द होने और कलवर्टों के न खुलने से घरों व दुकानों में पानी घुस गया। व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश रावत ने कहा कि बरसात से पूर्व एनएच और नगर पालिका, पीएमजीएसवाई, लोनिवि की ओर से नालियों की सफाई नहीं की गई जिसका परिणाम लोगों को बेवहज परेशान होना पड़ा है।

रुद्रप्रयाग में अलकनन्दा विकराल रूप में दिखाई दे रही है। हरिद्वार, ऋषिकेश में गंगा के तेज बहाव के अलावा सड़कों पर जल भराव हुआ है। टनकपुर, बनबसा क्षेत्र में शारदा नदी क्षेत्र में अलर्ट जारी है। मौसम के बीच नैनीताल जिला प्रशासन सहित अन्य जगह बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। आने वाले दिनों में मार्ग सुरक्षित रहें, जलभराव से बचाव हो, भूस्खलन के दौरान राहत व रास्ता खुलवाने के पुख्ता इन्तजामों के लये शासन द्वारा निर्देश दिये गये हैं और प्रशासन अपनी ओर से मुस्तैद है।

# दूरसंचार व्यवस्था दुरुस्त करने के लिये प्रधानमंत्री से निवेदन

### भारत-चीन सीमा पर संचार व्यवस्था न होने से कठिनाईयों का सामना

### मल्ला जोहार विकास समिति लगातार पत्राचार कर रहा है मामले में

### आरोप- कागजों में हो रहा है ठेकेदारों को भुगतान, जाँच की जाए

मल्ला जोहार। भारत-चीन सीमा पर दूरसंचार व्यवस्था दुरुस्त करने के लिये मल्ला जोहार विकास समिति ने प्रधान मंत्री से निवेदन किया है। समिति का कहना है कि इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर वह लगातार पत्राचार करते रहे हैं लेकिन लीपापोती के अलावा कुछ नहीं हो रहा है। समिति ने आरोप लगाया है कि कागजों में ठेकेदार को भुगतान हो रहा है, इसकी जाँच होनी चाहिये। जब लीलम और बोगड्यार के टावर काम नहीं कर रहे हैं और लोगों को सुविधा नहीं है तब कैसे मान लें कि संचार व्यवस्था काबू में है। जबकि सीमा क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण कार्य दुरुस्त होना चाहिये।

समिति द्वारा किये जा रहे पत्राचार के क्रम में श्री मनोहर सिंह रावत द्वारा भी जानकारी चाही गई जिसका उत्तर आश्चर्य करने वाला है। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू का कहना है कि जो सूचना दी जा रही है वह व्यवहार में अलग ही है। मल्ला जोहार सीमान्त की ओर सभी प्रकार की गाड़ियां लोडेड जा रही हैं, बार्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन दरकोट साथ में उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन की गाड़ियां लोडेट सामग्री लेकर जा रही हैं। इसके अतिरिक्त लीलम और बोगड्यार आईटीबीपी कैम्प के निकट जो टावर का निर्माण किया गया है दो साल से वह विभाग द्वारा एक्टिव नहीं किया गया है। दूरसंचार व्यवस्था न होने के कारण अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई ऐसी अप्रिय घटनाएं घट चुकी हैं जिसकी सूचना शासन प्रशासन को समय पर नहीं पहुँच पा रही है। ऐसे में घायल व्यक्तियों को और जिनकी मृत्यु हुई है उनकी समय पूर्व सूचना में तक दिक्कत है। समिति लगातार पत्राचार कर शासन प्रशासन से सम्पर्क स्थापित करती रही है परन्तु विभाग ने आँखें मूंद रखी हैं। इस प्रकार के सौतेले व्यवहार से सीमान्तवासी दुखी हैं। आरोप लगाया है कि धरातल पर कार्य नहीं हो रहा है जबकि प्रदेश सरकार ठेकेदार को भुगतान कर रही है।

समिति ने जिलाधिकारी से भी अपने स्तर से कार्रवाई करते हुए विभाग को निर्देशित करने का अनुरोध किया है ताकि वाइब्रेंट जिवलेज के अन्तर्गत जिन-जिन गाँवों में कार्य स्वीकृत हुए हैं वह पूर्ण हों।

समिति के अध्यक्ष श्री धर्मशक्तू ने नाराजी जताते हुए कहा है कि क्या सीमान्त क्षेत्र भारत-तिब्बत-चीन सीमा के नजदीक निवास करने वाले लोगों के लिये दरसंचार व्यवस्था नहीं होनी चाहिए? यदि होनी चाहिए तो वाइब्रेट विलेज के अन्तर्गत जो दूरसंचार विभाग के माध्यम से जिन ग्रामों में कम्युनिकेशन हेतु टावर स्थापित होने हैं वह क्यों कार्य नहीं कर रहे। विभाग द्वारा जो रिपोर्ट भेजी गई है उसके अनुसार दूरसंचार विभाग के लिये किस प्रकार की ग्रेडिंग वाली रोड चाहिए जिससे वे लोग अपनी सामग्रियों को सीमान्त के ग्रामों तक पहुंचा सकें। इस पूरे मामले में प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि वह दूरसंचार विभाग के लिए जिस प्रकार से इंटरनेशनल एयरपोर्ट और बड़ी बड़ी राजधानियों को जोड़ने के लिये नेशनल हाईवे का निर्माण किया जा रहा है उसी प्रकार की सड़क मुनस्यारी सीमान्त क्षेत्र धापा से मिलम में प्रारम्भ करवा दें। ताकि बीएसएनएल विभाग वाले सीमान्त ग्रामों में दूरसंचार का सामान पहुँचा सकें। दुर्गम क्षेत्र में लोगों को सुविधा हो।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

# बिल्जू कप ग्रामीण अंचल फुटबाल केवल टूर्नामेंट नहीं बल्कि बहार है

तल्ला दुम्मर, मुनस्यारी मिनी स्टेडियम में 'बिल्जू कप 5-ए साइडश' छठवें संस्करण 2026 का सभी ने आनन्द लिया। दरअसल यह ग्रामीण अंचल फुटबाल केवल टूर्नामेंट मात्र नहीं बल्कि बहार है। इसके माध्यम से क्षेत्र की एकता भाईचारा का सन्देश चारों ओर गया है। इसका उद्घाटन मुख्यअतिथि, उच्च स्तरीय फुटबालर धीरज सिंह जंगपांगी द्वारा किया गया। जिसमें ग्रामीण अंचल के कुल- 44 टीमों ने प्रवेश सुनिश्चित कर प्रतिभाग किया। टूर्नामेंट में खेल के तीन फॉरमेट- सीनियर बालक वर्ग, सीनियर बालिका वर्ग, चालीस से अधिक उम्र के खिलाड़ी तथा अण्डर चौदह वर्ष के बालक/बालिकाओं का प्रदर्शनी मैच भी आकर्षण बनाए रक्खा। इस वर्ष के ट्राफियों के संयोजक 'लास्पा कन्सट्रक्शन' हल्द्वानी के सौजन्य से प्राप्त हुआ।

तेरहवें दिवस तक संपन्न खेल में- प्रीलीग मैच, क्वाटर फाइनल, फाइनल मैच खेला गया। मुनस्यारी तहसील सीमा के अन्तिम गाँव सांई-पोलू से लेकर गोरीछाल (गोरीघाटी) छोडीबगर तक के ग्रामीण अंचल की टीमें सम्मिलित हुए, खिलाड़ियों द्वारा अपने खेल हुनर से सबको मंत्रमुग्ध किया। फाइनल मुकाबले बाग बाइज और फ्रेंड्स फॉरइबर (सीनियर बालक) तथा बालिका सीनियर- मुनस्यारी गर्ल्स और ड्रेगन गर्ल्स के मध्य, चालीस से अधिक आयु पुरूष मैच मुनस्यारी पुरूष और रांथी पुरुष के बीच खेला गया। विजेता उपविजेता सभी टीमों को निर्धारित नगद धनराशि के अतिरिक्त चमचमाती ट्राफी प्रदान की गई, गोल्डन प्राप्त दिब्यांशू सयाना ने अपने खेल से सबको प्रभावित किया। तीनों विजता टीम के खिलाड़ी मैन ऑफ द मैच भी दिया गया।

मुख्य मैच के अतिथि धारचूला विधायक की धर्मपत्नी श्रीमती दीपा धामी तथा विशिष्ट अतिथि मनोहर सिंह मर्तोलिया (सेवानिवृत्त कापरेटिव अधिकारी) ईश्वर सि भण्डारी, किशन सिंह जंगपांगी हरिस्मारक समिति अध्यक्ष अन्य अतिथि प्रकाश सिंह रहे। अन्य मैच के मुख्य अतिथि, अतिथिगण प्रकाश सिंह बरफाल, दयान सिंह पांगती, भाजपा प्रतिनिधि बबलू लोहनी भगवान सिंह बरफाल, बालक सिंह बरफाल, केदार सिंह बृजवाल, रमेश सिंह बृजवाल, इन्द्र सिंह बृजवाल सभी अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से खिलाड़ियों को हौंसला अफजाई के साथ बिल्जू कप का मान सम्मान बढ़ाने का कार्य किया है।

बिल्जू क्लब तल्ला दुम्मर के अध्यक्ष नवीन सिंह बृजवाल, कोषाध्यक्ष गिरधर बृजवाल, टूर्नामेंट संचालक जगदीश बृजवाल, भूपेश बृजवाल, धीरज बृजवाल, रमेश बृजवाल, रोहित कुमार, सभी क्लब के सदस्यों ने अपने कार्यदायत्व का निर्वहन करते सफल आयोजन कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समारोह के अन्त में संरक्षक केदार सिंह बृजवाल ने सभी को धन्यवाद के साथ आभार प्रकट किया तथा संयोजक ग्राम प्रधान पंकज बृजवाल ने समापन की घोषणा की।

# पिथौरागढ़ सीट पर कांग्रेस की उलझी लट सुलझने से रही

## तो मुकाबला त्रिकोणीय होगा विधानसभा का पड़ी गांठ खुल नहीं सकती है यह तय जानो भाजपा में भी टिकट को लेकर सहजता नहीं

उत्तराखण्ड में कांग्रेस इस बार पूरी तैयारी के साथ लयबद्ध होकर चल रही है लेकिन पिथौरागढ़ सीट में हो रही हलचल ने इसकी उम्मीदों को कुचलना शुरू कर दिया है। अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सामने ही दो गुटों की धुंआधार ने पार्टी का धुंआ निकाल दिया। कांग्रेस के परिवर्तन संकल्प सम्मेलन में जब दिग्गज नेताओं सहित चुनाव रणनीति पर चर्चा हो रही थी विधायक मयूख महर के खिलाफ गरजते हुए नारेबाजी होने लगी। इसमें पूर्व जिलाध्यक्ष महेन्द्र लुण्ठी, जिला कमेटी के नेता महेन्द्र सिंह लुण्ठी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष भावना नगरकोटी को पार्टी ने नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा। पार्टी ने बड़ा संगठनात्मक कदम उठाते हुए जिला महिला कांग्रेस की पूरी जिला कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया। साथ ही कहा कि संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने और पार्टी की गरिमा बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

असल में सोर घाटी की इस प्रमुख सीट पर कांग्रेस की गुटबाजी लम्बे समय से है। सम्मेलन में महिला कांग्रेस अध्यक्ष भावना नगरकोटी ने नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की हार का ठीकरा कांग्रेस के ही वरिष्ठजनों पर फोड़ दिया। इस सत्य को सब जानते भी हैं कि पार्टी की गुटबाजी से नगर निगम चुनाव में मेयर सीट जाती रही। सम्मेलन में हो रही गहमा-गहमी में सबकुछ साफ दिख चुका है कि कांग्रेस के भीतर कितना बबाल है। सभा के बीच मयूख महर ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ वॉकआउट किया। पड़ी गांठ खुल नहीं सकती है यह तय जानो।

कांग्रेस के इस झगड़े में भाजपा तगड़ी हो गई हो, ऐसा नहीं है। क्योंकि भाजपा में भी टिकट को लेकर सहजता नहीं है। पार्टी से टिकट को लेकर सब अपने मन की कहने लगे हैं। पूर्व जिला मंत्री एवं मूनाकोट मण्डल अध्यक्ष रहे योगेश चन्द ने पार्टी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। दीवारों को पोतकर लिखाए गये नामों को देखें तो दर्जनभर नेता टिकट का सपना संजोए बैठे हैं।

भाजपा-कांग्रेस की अन्दरूनी घमासान के बीच उक्रांद शीर्ष नेता काशीसिंह ऐरी को लेकर जोश में दिखाई दे रहा है। चुनाव तक किस दल का नेता किसके साथ कन्धा मिलाकर चलेगा अभी पता नहीं है लेकिन माहौल त्रिकोणीय बनता दिख रहा है क्योंकि कांग्रेस की लट तो सुलझने से रही क्योंकि इस उलझी को सब अपनी तरह से सुलझाना चाहते हैं।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

# डाक व्यवस्था में घपला जारी है

## थराली में भी लापरवाही का मामला सामने आया

चमोली। उत्तराखण्ड की डाक व्यवस्था में लगातार घपलों की सूचनाएं आ रही हैं। हालात यह हो चुके हैं कि हरियाणा से नौकरी करने आये ज्यादातर युवा डाक वितरण के कार्य को घोर लापवाही में ले रहे हैं और शिकायत करने पर झगड़े पर उतारु हो रहे हैं। यही कारण है कि जगह जगह से आवाज उठने लगी है कि आखिर डाक वितरण के लिये हरियाणा से कैसे भर्ती हो गई। जबकि व्यवहारिकता तो यह है कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्थानीय युवा बेहतर डाक वितरण कर सकते हैं क्योंकि वह पूरी भौगोलिक स्थितियों से परिचित हैं।

लगातार मिल रही लापरवाही की सूचना के बाद थराली में पोस्टमैन के बारे में कहा जा रहा है कि वह डाक नहीं बांटता था। उसके घर में चार बोरों में स्पीड पोस्ट सहित डाक भरी पड़ी मिली। डाक वितरण में हो रही घोर लापरवाही को विभाग ने गम्भीरत से लेते हुए इस प्रकार के लोगों को तत्काल हटाना चाहिये जो अपने कार्य के प्रति सजग नहीं हैं और अन्य को बाधित कर रहे हैं।

# अन्त भले को.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

गाय के पैरों से रस्सी काट ली। गाय एकदम उठ कर खड़ी हुई। एक नजर कसाई की ओर तथा दूसरी नजर फौजी की ओर डालती हुई वह भाग खड़ी हुई।

कसाइयों को इस पर बहुत अधिक क्रोध आया। उन्होंने छुरियों से चन्दन पर हमला बोल दिया। चन्दन एक हृष्टपुष्ट फौजी था। अकेले होते हुए भी, उसने तीन-चार लोगों का वार सहन कर लिया तथा अपनी खुखरी से एक-एक करके तीनों-चारों को मौत के घाट उतार दिया। वह स्वयं भी बुरी तरह घायल हो गया। शाम तक इस घटना की खबर लोगों को लग गई। चन्दन को हत्या के मुकदमे में गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी ओर से मुफ्त में पैरवी करने वाला कोई नहीं था, और उसके विरुद्ध अकाट्य सबूत मिल गये थे। अत: उसे फाँसी की सजा सुना दी गई। आखिर फाँसी का नियत दिन भी करीब आ गया। उसे स्नान कराया गया तथा काले वस्त्र पहनाकर जल्लाद उसे फाँसी के तख्ते पर ले गये। ठीक 6 बजे फाँसी लगाये जाने का आदेश थाख अत: 6 बजते ही जल्लाद को पैरों के नीचे से तख्त हटाने को कहा गया। जल्लाद ने तख्त हटाने की भरसक कोशिश की पर वह हटता ही नहीं था। सबने आकर तख्त की जाँच की। उन्होंने देखा कि तख्त के नीचे गाय के सींग फंसे हैं, न जाने कहाँ से आ गये। फिर तख्त लगाया गया। इस बार भी तख्त एक झटके में नहीं हटा। दुबारा देखा गया फिर वहाँ गाय के सींग अड़ गये थे। यह क्रम कई बार चला। अब फाँसी का नियत समय टल चुका था। अब फाँसी लगाई नहीं जा सकती थी। अत: चन्दन को छाड़ दिया गया। गोरक्षा का फल उसे मिल गया था।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'पिघलता हिमालय' स्थापना के 49वें वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

विश्वसनीयता का नाम,
उचित दाम

# रामा एग्रो इंडस्ट्रीज

झनकट खटीमा
( उधमसिंह नगर )

**Hotel**
**Bala Paradise**
**Tiksain, Munsiari**
Ph. 05961222237, 9412951678

**धमोत होम स्टे**
धरमघर/चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379
**APNA GHAR** 6396098804
चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
Near by- ( माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर )
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया
YOGA MEDITATION HOMELY FOOD LIVE MUSIC BIRTHDAY WEDDING

**होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर**
नानासेम, मुनस्यारी
**गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स**
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 मो.- 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ
**होटल लक्ष्य इन**
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी ( नैनीताल ) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी( नैनीताल ) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)